



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रतिधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

AP
11/9/88

मं. 518] नई दिल्ली, वृश्चित्तवार, सितम्बर 29, 1988/आस्विन 7, 1910
No. 518] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 29, 1988/ASVINA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या वाली है जिससे कि यह असम राजसभा के रूप में
रखा जा रहा

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त भंगालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1988

अधिसूचना

मं. 269/88-सीमाशुल्क

ना.का.नि 963 (अ) :—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 अा 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त भंगालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 216/85-सीमाशुल्क, धारा 3 जुलाई, 1985 को अधिकान्त करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि सोलहित में ऐसा कानून आवश्यक है, 10 टन से अधिक क्षमता वाले फोर्कलिप्ट द्रकों के विनियोग के लिए अपेक्षित संघटकों को, तब जब भारत में उनका आयास किया जाए, सीमाशुल्क के उतने भाग से, निम्न-यित्रित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, जो 45 मतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है; अर्थात् :—

(1) इस अधिसूचना में अंतिम छुट के बाल ऐसे फोर्कलिप्ट द्रकों के विनियोग के लिए अपेक्षित संघटकों को साझा होगी जो

तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक समाजिकार या अपर औद्योगिक समाजिकार द्वारा प्रयाणित सूचियों के ३२५२ हैं :

- (2) आयातकर्ता सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष उक्त संघटकों की निकामी के समय यह साध्य प्रस्तुत करेगा कि उसके पास उद्योग विकास विभाग और तकनीकी विकास महानियेशालय द्वारा ऐसे फोर्कलिप्ट द्रकों के नियमण के लिए सम्बद्ध रूप से अनुमोदित कार्यक्रम है; और
- (3) आयातकर्ता इस आयास का एक वजनबंध देता है कि :—
- (क) उक्त संघटकों का प्रयोग उपरोक्त विनियोग प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।
- (ख) पूर्वोन्त प्रयोजनों के लिए विनियोग के स्थान में अभिप्राप्त और खपत किए गए उक्त संघटकों का लेखा सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनियोग रीति में रखा जाएगा;
- (ग) वह तीन मास की कालावधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी कालावधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुमत करे, विनियोग के स्थान की परिसरों में उक्त आयातित माल

की प्राप्ति के साक्ष-स्वरूप विनियोग द्वारा मन्त्रक रूप से प्रमाणित ऐसे नेटो का उद्धरण प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह, उपरोक्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उनीं रकम का संदर्भ करेगा, जो यदि इसमें अंतरिक्ष लूट न होती, तो उक्त आवाहित माल की ऐसी भासा पर उत्पत्तीय शुल्क और आवाहित के मध्य पर्याप्त ही संदर्भ शुल्क के बाब अंतर के बराबर हो।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1990 तक, जिसके अंतर्गत यह नारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त होगी।

[फ. सं 346/165/88-टी.आर.यू.]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 29th September, 1988

NOTIFICATION

No. 269/88-CUSTOMS

G.S.R. 963(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 216/85-Customs, dated the 3rd July, 1985, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of forklift trucks having a capacity exceeding 10 tonnes, when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs as is in excess of the amount calculated at the rate of 45 per cent subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components required for the manufacture of such forklift trucks, which are covered by lists certified by the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development.
- (ii) the importer shall produce evidence to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance of the said components to the effect that they have a programme duly approved by the Department of Industrial Development and the Directorate General of Technical Development for the manufacture of such forklift trucks; and
- (iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said component parts will be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the said purpose shall be

maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods, but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1990.

[F. No. 346/165/88-TRU.]

अधिसूचना

सं. 270/88-मीमा-शुल्क

गा.का.नि. 964 (अ) :—केन्द्रीय मरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 का उपाय (1) द्वारा प्रदत्त शास्त्रियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत मरकार के विल मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 20/88-सीमाशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1988 में नियमित्रित और संशोधन करती है, अबतः—

उक्त अधिसूचना की शार्त (i) में शब्द "मन्त्रालय" के बाद "शिक्षावाचक अधिकारी (मणि उर्ध्वाय) में औद्योगिक मन्त्रालय" शब्द और "त्वारिष्ठ की जाएगी।

[फ. सं. 346/209/88-टी.आर.यू.]

टी. जयरामन, अधर मन्त्रिय

NOTIFICATION

No. 270/88-Customs

G.S.R. 964 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 20/88-Customs, dated the 1st March, 1988, namely :—

In condition No. (i) of the said notification after the words "Technical Development", the words "or Industrial Adviser in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries" shall be inserted.

[F. No. 346/209/88-TRU]

T: JAYARAMAN, Under Secy.